



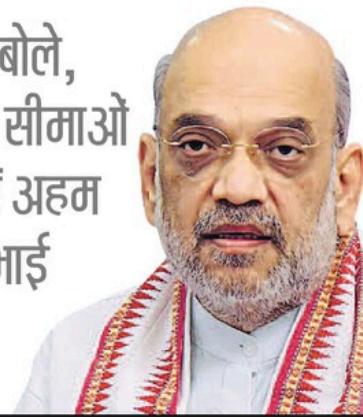
शनिवार
21 दिसंबर 2024, धनबाद

हिन्दुस्तान

भयोसा नए हिन्दुस्तान का

• पांच प्रदेश • 24 संस्करण

अमित शाह बोले,
एसएसबी ने सीमाओं
की सुरक्षा में अहम
भूमिका निभाई



आ रहा है खुशियों का बड़ा दिन
आनंद में झूमते हुए
त्वचा को सुरक्षित रखें

सभी मौसम में आपकी त्वचा का ख्याल रखें



सालभर शरीर के दर्द-रहित
उज्ज्वल कोमल त्वचा

Late Rashmoy Das
(AYURVEDA RATNA)

Creator of the Brand

**JAC
OLIVOL
BODY OIL**





दिव्य-भव्य-डिजिटल
महाकुम्भ 2025

सामाजिक समता का महापर्व

महाकृष्ण प्रयागराज 2025



आज देश एक साथ विकसित भारत के संकल्प की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि इस महाकुम्भ से निकली आध्यात्मिक और सामूहिक शक्ति हमारे संकल्प को और मजबूत बनाएगी। महाकुम्भ सान् ऐतिहासिक हो, अविमरणीय हो, मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की विरोधी से मानवता का कल्याण हो... हम सबकी यही कामना है। संगम नगरी में आने वाले हर ब्रदालु को मैं शुभकामनाएं देता हूँ।

-नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

महाकुम्भ अध्यात्म से कहीं बढ़कर संस्कृतियों, परम्पराओं और भाषाओं का जीवंत मिश्रण है, जहाँ लघु भारत परिलक्षित होता है। दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे एवं उत्तम सुविधाओं के साथ यहां आने वाले लोगों के अनुभव को बेहतर तथा अविमरणीय बनाने के लिए तैयार है। इसमें सभी ब्रदालुओं, पर्यटकों एवं जिज्ञासुओं के लिए निर्बाध और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी। बेहतर स्वच्छता प्रणाली, विस्तारित परिवहन नेटवर्क और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था, आस्था की सहज डुबकी लगाने वाले ब्रदालुओं को आत्मीय आनंद की अनुभूति करायेगी। इसके लिए सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं और संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है। अभिनव पहल के तहत महाकुम्भ 2025 अंतिथियों की मेजबानी के वैश्विक मानकों को पुनः परिभासित करने के लिए तत्पर है।

महाकृष्ण 2025

पर्व	प्रमुख सान् तिथि
पौष पूर्णिमा	13 जनवरी, 2025
मकर संक्रान्ति	14 जनवरी, 2025
मौनी अमावस्या	29 जनवरी, 2025
बसंत पंचमी	3 फरवरी, 2025
माघी पूर्णिमा	12 फरवरी, 2025
महाशिवरात्रि	26 फरवरी, 2025



45 करोड़
लोगों का
संभावित आगमन



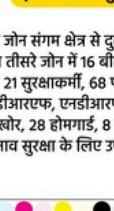
नेविगेशन के लिए
गूगल और मेला
प्राप्तिकरण के
मध्य एम.ओ.प्यू.



यात्रियों के लिए
3,134 कुम्भ²
स्थेशल ट्रेनों
की व्यवस्था



2000 आयातों
का देखा गेट
सेवा के अंतर्गत
पंजीकरण



मेला क्षेत्र में
ब्रदालुओं के लिए
आवासीय सुविधा



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।

21 सुरक्षाकार्मी, 14 पीसीसी और 64 होमगार्ड, 8 मोटर बोट और 31 नाव सुरक्षा के लिए उपलब्ध होंगी।



दिव्य-भव्य-डिजिटल
महाकुम्भ 2025

सामाजिक समता का महापर्व

महाकृष्ण प्रयागराज 2025



आज देश एक साथ विकसित भारत के संकल्प की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि इस महाकुम्भ से निकली आध्यात्मिक और सामूहिक शक्ति हमारे संकल्प को और मजबूत बनाएगी। महाकुम्भ सान ऐतिहासिक हो, अविमरणीय हो, मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की विरोधी से मानवता का कल्याण हो... हम सबकी यही कामना है। संगम नगरी में आने वाले हर ब्रदालु को मैं शुभकामनाएं देता हूँ।

-नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

महाकुम्भ अध्यात्म से कहीं बढ़कर संस्कृतियों, परम्पराओं और भाषाओं का जीवंत मिश्रण है, जहाँ लघु भारत परिलक्षित होता है। दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे एवं उत्तम सुविधाओं के साथ यहां आने वाले लोगों के अनुभव को बेहतर तथा अविमरणीय बनाने के लिए तैयार है। इसमें सभी ब्रदालुओं, पर्यटकों एवं जिज्ञासुओं के लिए निर्बाध और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी। बेहतर स्वच्छता प्रणाली, विस्तारित परिवहन नेटवर्क और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था, आस्था की सहज डुबकी लगाने वाले ब्रदालुओं को आत्मीय आनंद की अनुभूति करायेगी। इसके लिए सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं और संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है। अभिनव पहल के तहत महाकुम्भ 2025 अंतिथियों की मेजबानी के वैश्विक मानकों को पुनः परिभासित करने के लिए तत्पर है।

महाकृष्ण 2025

पर्व	प्रमुख सान तिथि
पौष पूर्णिमा	13 जनवरी, 2025
मकर संक्रान्ति	14 जनवरी, 2025
मौनी अमावस्या	29 जनवरी, 2025
बसंत पंचमी	3 फरवरी, 2025
माघी पूर्णिमा	12 फरवरी, 2025
महाशिवरात्रि	26 फरवरी, 2025



45 करोड़
लोगों का संभावित आगमन



नेविगेशन के लिए
गूगल और मेला प्राइवेट के मध्य एम.ओ.प्यू.



यात्रियों के लिए
3,134 कुम्भ स्थल देशों की व्यवस्था



2000 आयातों का खेत्र गेट सेवा के अंतर्गत पंजीकरण



2000 आयातों का खेत्र गेट सेवा के अंतर्गत पंजीकरण

21 सुरक्षाकार्यालय, 14 पीसर्सी और गोतालों के लिए सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षित महाकुम्भ

महाकुम्भ 2025 को सभी बड़ा आगमन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपत्ति के साथ से बड़े इन आयोजन में आने वाले ब्रदालुओं, पर्यटकों, जिज्ञासुओं एवं शोभायात्रियों की सुरक्षा के पुरुष इंतजाम किये जा रहे हैं।

04 जून में 107 बीटों के ब्रक्ष करोड़ ब्रदालुओं की सुरक्षा

10 कंसर्वी पीसर्सी, एसटीआरएफ, एटीआरएफ, एटीआरएफ और

141 सुरक्षाकार्यों के अलावा 700 बसों पर टेना रखी रखक

किंतु सक्ष के लिए योगी कंदों से युक्त बनाए जा रहे आधुनिक वॉटर कंटेनर रूप

जल पुलिस ने तैरते थाने और छोड़ियों के साथ जलान किए 16 बस कंटेनर रूप

पहला जौन

पहला संगम का धेरा रहेगा, जिसमें 25 बीट में 290 पीसर्सी, एसटीआरएफ, एटीआरएफ, 8 पीसर्सी गोतालों, 30 सुरक्षाकार्यों, 18 पीसर्सी गोतालों, 26 होमार्ग, 27 मोटर बोट और 113 नाव सुरक्षा इंतजाम में लगाए गए हैं।

दूसरा जौन

(वर्षाव धारा)

दूसरा बराव धारा का धेरा रहेगा।

इस दूसरे जौन में 28 बीट में 33 सुरक्षाकार्यों,

100 पीसर्सी और 100 मोटर बोट और

50 होमार्ग, 40 पीसर्सी गोतालों,

50 प्रावेंट गोतालों,

24 मोटर बोट और 77 नाव रहेंगी।

तीसरा जौन

(संगम क्षेत्र से दुर्घास)

तीसरा जौन संगम क्षेत्र से दुर्घास का होगा।

इस तीसरे जौन में 16 बीट के अंतर्गत

21 सुरक्षाकार्यों, 68 पीसर्सी और

गोतालों, 19 पीसर्सी गोतालों,

64 होमार्ग, 33 मोटर बोट और

31 नाव रहेंगी।

चौथा जौन

(संगम क्षेत्र से काकास)

चौथा जौन 38 बीटीं याल रहेगा, जिसमें

20 सुरक्षाकार्यों और पीसर्सी, एसटीआरएफ

और एटीआरएफ 210, 14 पीसर्सी

गोतालों, 19 पीसर्सी गोतालों,

64 होमार्ग, 33 मोटर बोट और

31 नाव रहेंगी।

जिसने भी वर्ष 2019 का कुम्भ देखा, उन्हें लगा होगा कि यहां लीक से हटकर कार्य हुआ है। बहली बार प्रयागराज में स्वच्छ-सुरक्षित व सुव्यवसित कुम्भ देखने को मिला। स्वच्छता इस कदर रही है कि पीएम मोदी ने स्वच्छता कर्मियों का पाद प्रक्षालन भी किया। यह भारत की विरासत है कि जिसने भी कार्य किया है, उसके प्रति कृतज्ञता जापित करें। महाकुम्भ-2025 में आस्था व आधुनिकता का संगम भी दिखाई देगा।

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

कुम्भ सह AI योग

AI-सक्षम व्यक्तिगत डिजिटल मार्गदर्शक

कुम्भ सहायक की विशेषताएं

हिंदी, अंग्रेजी एवं 9 अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध

वाटरप्लेय एवं महाकुम्भ वेबसाइट/ऐप पर उपलब्ध

बोलकर एवं लिखकर सवाल पूछने की क्षमता

ब्रदालुओं के लिए व्यक्तिगत कोटी सूची भी उपलब्ध

अम-पास की सुविधाओं हेतु ग्रुप ऐप एकीकरण

पीडीएफ एवं विज़िटोरी से सुसज्जित मीटिंग गैलरी

एक विल्क एवं सार्व संगम जानकारी

कुम्भ इंसाम आवासिक गैलरी

मालाकार्यक्रम ग

निवेश बढ़ाना होगा

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट पर चिंता स्वाभाविक है। शुक्रवार को बॉम्बे शेयर बाजार के शेयर सूचकांक में 800 अंकों की गिरावट देखी गई है। आगे सप्ताह की बात करें तो यह सप्ताह गिरावट के नाम रहा है। निवेशकों को पूरे सप्ताह तुक्सान का सामना करना पड़ा है। सेंसेक्स में, 3,700 अंकों की गिरावट को कम नहीं समझना चाहिए। निपटी अपने निवेशों स्तर पर ही चल रहा है और अकेले शुक्रवार को उसमें 250 अंकों की गिरावट हुई है। टीसीएस, रिलायंस, इफोसिस, एक्सेस और एचडीएफसी बैंक जैसी महत्वपूर्ण कंपनियों के शेयरों में गिरावट की बजह से ही बाजार ज्यादा प्रभावित हुआ है। जब बड़ी कंपनियों के शेयर पर भी निकारात्मक असर पड़ता है तो चिंता यह होने लगी है कि साल का आखिरी सप्ताह शुरू होने वाला है और अगर भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट का क्रम जारी रहा, तो अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छी बात नहीं है। वैसे भी यह कई लोगों के लिए छुट्टियों का समय है, वे क्रिसमस मनाने और साल को बिदा करने की तैयारी में लगे निवेशक बाजार में जोखिम लेना नहीं चाहेंगे।

गिरावट का सबसे बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि अमेरिका के क्रीय बैंक की ब्याज दरों में कम कटौती की सभावना है। कटौती अगर कम होती है, तो अमेरिकी निवेशकों के पास भारतीय बाजारों में निवेश के लिए धन कम पड़ने लगेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत हैं, अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से भी भारत से बाहर जानी पूरी की मारी बढ़ी है। अमेरिकी निवेशकों के बारे में यह कहा जाता है कि अगर उन्हें अपने देश में ही फायदा दिखे, तो वे विदेश का रुख नहीं करते हैं। जब उन्हें देश में नुकसान की आशंका होती है, तभी वे पैसा बचाने और बनाने के लिए भारत जैसे देशों की ओर देखते हैं। ध्यान देने की बात है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों के पछले चार सत्र में ही

12,000 करोड़ रुपये से अधिक के भारतीय शेयर बेच दिए हैं। अब सबल यह है कि भारत से पूर्जी प्रवाह का क्रम कैसे रुक सकता है? एक ही उपाय है कि घेरलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए, लेकिन फिलहाल घेरलू अर्थव्यवस्था ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को अगर डॉलर के मूल्य से मापा जाए, तो हमारा रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर पर है। यह भी संकेत मिल रहा है कि भारतीय शेयर तिमाही में भारतीय विकास दर अनुमान के मुताबिक नहीं रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के कर्पणार्थों को सोचना पड़ेगा कि उत्पाद में सुधार की ज्यादा जरूरत है या सेवा में? दोनों ही क्षेत्रों में भारत का प्रदर्शन दुनिया के ज्यादातर देशों से अच्छा रहा है। आगे भी हमारी स्थिति अच्छी रहे, इसके लिए ज्यादा उपाय आजमाने की जरूरत महसूस होने लगी है। हमें किसी अन्य देश से तुलना करने के बजाय अपने निवेश में स्वयं सुधार करना चाहिए। अगर बड़े उद्योग बड़े क्षेत्रों से विकास नहीं कर सकते हैं, तो इसके लिए ज्यादा कटम ट्राएग्ज़ा सकते हैं? हमारी अर्थव्यवस्था अगर घेरलू मौर्चे पर मजबूत रही, तो विदेशी निवेश स्वाभाविक ही आएगा। प्राथमिक रूप से हमें स्वदेशी निवेश को सुनिश्चित करना होगा। अगर अर्थव्यवस्था में मांग घट ही है, तो उसे बढ़ाने के उपाय किए जाएं और ऐसे उपाय पहले भी सफलतापूर्वक आजमाए गए हैं।

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

21 दिसंबर, 1949

उचित निर्णय

भारतीय पालमेंट ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। अगर बड़े उद्योग क्षेत्रों ने देखा कि विकास नहीं कर सकते हैं, तो इसके लिए ज्यादा कटम ट्राएग्ज़ा सकते हैं? हमारी अर्थव्यवस्था अगर घेरलू मौर्चे पर मजबूत रही, तो विदेशी निवेश स्वाभाविक ही आएगा। प्राथमिक रूप से हमें स्वदेशी निवेश को सुनिश्चित करना होगा। अगर अर्थव्यवस्था में मांग घट ही है, तो उसे बढ़ाने के उपाय किए जाएं और ऐसे उपाय पहले भी सफलतापूर्वक आजमाए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। देश के गृह मंत्री का डॉलर अंबेडकर के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के पक्ष का विषय में बोल सकते हैं। इसलिए किसी को यह शक्ति नहीं दी गई है कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड बिल पर आम बहस समाप्त कर ली। पालमेंट में और उसके बाहर इस बिल की धाराओं के संबंध में उत्तर भेद देखे गए हैं। उनके बाहर इस बिल के अपनान के लिए ज्यादा जारी रहा, यह वह सफ कर चुके हैं, पर कड़वी हक्कत कह यह कहे देखे के संसद में अनावश्यक उत्तर भेद देखे हैं। उनके बाहर इस बिल के अपने निवेश को धूम मार किया गया और उस पर पूरे ने दिन तक बहस जारी रही। कांग्रेस पार्टी ने अपने सदस्यों को यह स्वतंत्रता दी थी कि वे अपनी इच्छानुसार बिल के बाहर अपने निवेश को धूम मार किया जाए। जिसके लिए ज्यादा चाहिए है।

प्रधानमंत्री ने हिन्दू कोड

सेडान कारों में मिल रही किफायत और भरपूर सुरक्षा

वाहन जगत में एसयूवी की लहर के सामने कॉम्पैक्ट सेडान का सेगमेंट खो सा गया था, जिसे इस सेगमेंट की कुछ नई कारें फिर से चर्चा में ले आयी हैं। यह खास ध्यान देने वाली बात है कि हालिया लॉन्च हुई कुछ सेडान कारें कम कीमत में ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा का वायदा कर रही हैं और टॉप एनकैप सेप्टी रेटिंग के साथ आती हैं। ऐसी कुछ कॉम्पैक्ट सेडान के बारे में बता रही हैं नूतन ज्ञा

घरे के बाद शायद कार ही ऐसी चीज़ है, जिसे खरीदना हर भारतीय का सपना होता है। इसे खरीदते वक्त बजट के साथ-साथ लोग ज्यादा से ज्यादा फीचर्स और सुरक्षा पर भी ध्यान देते हैं। इस संदर्भ में कॉम्पैक्ट एसयूवी कारें छाई हुई हैं, जिसे चलाने से बेसेन सेगमेंट दिखता है। हालांकि आराम और सुधित में सेडान सेगमेंट का मुकाबला करना मुश्किल है। कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट की यही खासियत ही है। वही जिन सेडान में सुरक्षा और लंजरी, दोनों मिलते हैं, वे महगी होती हैं। पर अब कार निर्माता इस बारे में सजग हुए हैं और किफायत के कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में सुरक्षा और लंजरी फीचर्स से लैस करें पेश कर रहे हैं। हाल ही में इस सेगमेंट की कई लोकप्रिय कारें नए कलेक्टर में पेश हुई हैं। ताजा आई मारुति सुजुकी की नई डिजायर 2024 एक ऐसा ही कार है। पेश हैं कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट की कुछ ऐसी कारें, जिनमें भरपूर सुरक्षा फीचर्स किफायती दायां में पेश हो रही हैं:



मारुति सुजुकी डिजायर 2024

पिछले महीने मारुति सुजुकी की लोकप्रिय कॉम्पैक्ट सेडान डिजायर का नया संस्करण पेश किया गया। चौथी फीचर्स की नई डिजायर को डिजाइन और फीचर्स के लिए उपलब्ध नहीं होती, यानी सिर्फ निजी कार के तौर पर पेश की गई है। खास बात है कि इसके सेप्टी फीचर्स, जो इतनी कीमत में एक दम किफायती कार होने का दावा करते हैं। मारुति सुजुकी की यह पहली 5 स्टार सेप्टी रेटिंग वाली कार है, जो इस सेगमेंट की कुछ कम सबसे सुरक्षित कारों में भी शामिल हो गई है। अन्य खूबसूरत फीचर्स के साथ इसमें एप्ल कारोले और एंड्रोयड ऑटो के साथ नया 9 इंच का डिजिटल इंफोटेनमेंट डिस्प्ले भी खास है। इसमें पेट्रोल और सीएनजी के विकल्प मिल रहे हैं। कुछ सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स जैसे इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360 एचडी व्यू कैमरा भी हैं। क्वांटा रेटिंग व फीचर्स : 15 से ज्यादा सेप्टी फीचर्स मिल रहे हैं। ग्लोबल एनकैप ने क्रैश टेस्ट में नई 5 स्टार रेटिंग दी है। इसमें 6 एयरबैग, हल्ड होल्ड असिस्ट, ईसपी, रियर पार्किंग सेसर, ईबीडी, ब्रैक असिस्ट मानक फीचर्स के तौर पर पेश किए गए हैं। टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) उच्च वीरेंट में मिल रहा है। एडलॉट सेप्टी में इस कार के कुल 34 अंकों में से 31.24 पॉइंट स्कोर किया गया है। बच्चों की सुरक्षा में भी इस कार को 42 में से 39.20 पॉइंट मिले हैं। फ्रंट क्रैश टेस्ट में ड्राइवर और बाल के सिर को अच्छी सुरक्षा मिलती है। फ्रंट इमैक्ट और साइड पोल टेस्ट में डम्प के सिर, भागी, पेट और पेलिक एरिया की सुरक्षा अच्छी थी।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

इंजिन

इसमें 1.2 लीटर पेट्रोल व बाईं प्लूब इंजन सेवन तक है। दुअल पाथ सर्सेंसेट है।

इंजिन

इसका हाईलाइट है। यानी मुड़ते

वक्त सङ्केत पकड़ रखती है। इसमें 7 इंच का हरमन इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन सिस्टम है।

सेप्टी रेटिंग व फीचर्स

इसमें 5 स्टार रेटिंग के साथ कई खास सेप्टी फीचर्स मिलते हैं। नए मॉडल में 6 एयरबैग मिलते हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएसी), रियर पार्किंग सेसर, दिल स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल के 10 इंच से ज्यादा कार की डिजायर की तुलना में महंगी लाखों में सकती है।

सेप्टी रेटिंग व फीचर्स : इसे 5 स्टार रेटिंग के साथ कई खास सेप्टी फीचर्स मिलते हैं। नए मॉडल में 6 एयरबैग मिलते हैं।

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

कीमत

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।

टाटा टिगोर

वैरिएंट के अनुसार दाम अलग-अलग हैं। कीमत 6.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम) से टॉप मॉडल के 9.55 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है।



चलते-चलते

3 समस्या निवारक
आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स

Helps in:
 • BURNING
 • DRYNESS
 • IRRITATION

10 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे-गुलाब, हरड़, बहेड़ा, आंवला, हल्दी, तुलसी, पुनरनवा, पुदीना, सुहागा इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्र प्लस' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आंखों में होने वाली समस्याओं जैसे आंखों की थकान, आंखों का सूखापन, आंखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल बनाने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आंखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

AYURVEDIC
EYE RELIEF DROPS24x7 Helpline: 8196822222
www.eyemantra.com

आँखों की थकान
दूर करने का
आसान समाधान

प्रयोग विधि:
2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या
चिकित्सकीय परामर्शनुसार इस्तेमाल करें।



पर्यावरण से कार्बन सोखने के साथ बनेगा हाइड्रोजन ईंधन

साल भर में 40 टन कार्बन डाई ऑक्साइड को समुद्र में भेजने की नई तकनीक

तकनीक



40

हजार टन कार्बन डाई ऑक्साइड पर्यावरण से सोखने का दावा

क्या है प्रक्रिया

- बिजली की जगह हवा और धूप से साखालेत इलेक्ट्रोलाइजर मर्शीन का उपयोग किया जा रहा है
- समुद्र के पानी को सबसे पहले इलेक्ट्रोलाइजर में डाला जाता है
- पानी में मीजूट हाइड्रोजन, औरिंसीजन, एसॉड और क्षार को अलग किया जाता है
- पानी से अलग होने वाला यही क्षार पर्यावरण से सीओटू गैस अवशिष्ट करता है
- पर्यावरण से अवशिष्ट सीओटू को बाईकार्बनेट व कार्बोनेट में बदल समुद्र में डाल दिया जाता है

जारी हो रही ये आपतियां

स्टार्टअप 'इक्टोटिक' में यह नई व्यवस्था काम कर रही है। इनका दावा है कि जलवाया, खाद्य सूक्ष्मा व ऑक्सीजन उत्पादन के पानी की अहम भूमिका होती है। इनका दावा है कि जलवाया, खाद्य सूक्ष्मा व ऑक्सीजन उत्पादन के पानी की अहम भूमिका होती है। इनका दावा है कि जलवाया, खाद्य सूक्ष्मा व ऑक्सीजन उत्पादन के पानी की अहम भूमिका होती है।

समुद्र आधारित है पूरा सिस्टम : लॉस एंजेलस की स्टार्टअप कंपनी इक्टोटिक समुद्र आधारित सिस्टम का उपयोग कर के केवल पर्यावरण में मीजूट और कार्बन डाई ऑक्साइड को हटाने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक नए तरीके की तराश में हैं। इसके अलावा वातावरण ईंधन की गड़ी है। जो कार्बन डाई ऑक्साइड को वातावरण से सोख लेंगी और इसी प्रक्रिया के दौरान हाइड्रोजन का उत्पादन करने में भी सक्षम है।

कंपनी का दावा : अमेरिका की नई

स्टार्टअप 'इक्टोटिक' में यह नई व्यवस्था काम कर रही है। इनका दावा है कि ये वातावरण में मीजूट 4000 टन सीओटू से 100 टन हाइड्रोजन बनाने की योग्यता है। इनका दावा है कि ये वातावरण में सफल है।

एक और योग्यता है कि इनका दावा है कि ये वातावरण में एक साल बना सकती है। फिलहाल इसकी कंपनी

लॉस एंजेलस और सिंगापुर में है। प्रत्येक कंपनी एक साल में पर्यावरण से 30-40 टन सीओटू हटाने में सफल है।

एक और योग्यता है कि इनका दावा है कि ये वातावरण में स्थापित करने वाली है जिसकी क्षमता एक साल

में पर्यावरण से 4000 टन सीओटू को सोखने और 100 टन हाइड्रोजन बनाने की होगी। इसके अलावा एक लॉट की योग्यता है जिससे एक साल में एक लाख टन सीओटू हटाने का लक्ष्य है।

चांद को जानने जा रहे दो नए लैंडर

वाणिजनक, एजेंसी। चंद्रमा को सातवें

महाद्वीप में वैज्ञानिक जुट्ठे हैं। इस क्रम में 2025 के जनवरी में आईएसॉस और फायरलैट एप्स कंपनियों अपने लैंडर चांद पर भेज रही हैं। ये दोनों ही लैंडर स्पेस-एक्स के फलकन 9 गोरक्ष के जरिए भेजे जाएंगे।

आईएसॉस का हड्डु-आर लैंडर और फायरफल्ट एप्स का ब्लू घोर्स लैंडर इस मिशन का हिस्सा है। आईएसॉस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ताकेशी हाकामाडा ने बताया कि कंपनी जल्द ही चंद्रमा पर उतरने का दूसरा व्यापारी कारोगी। यह मिशन छह दिनों की लॉन्च से होगी। यह मिशन का लैंडर चांद रोवर विडो के तहत जनवरी में शुरू होगा। यह मिशन ने केवल वैज्ञानिक बताते हुए समर्थन की अपील की है। यह मिशन ने बताते हुए समर्थन की अपील की है।

चंद्रमा पर भविष्य की गतिविधियों के लिए मार्ग भी तैयार करेगा।

गूगल लेकर आया एआई का नया मॉडल

गूगल ने तर्कशिक्षित से लेस नया एआई मॉडल जेमिनी 2.0 पेश किया है। यह एआई मॉडल तर्क और कोडिंग को समझ सकता है, साथ ही गलत प्रोग्रामिंग और भौतिक विज्ञान के कठिन सवालों को भी आसानी से हल कर सकता है। जेमिनी 2.0 खुद सोचता है और इसे दिए गए लिखित निर्देशों को कुछ ही समय विस्तार से हल कर देता है।

जेब में रखने भर से फुल चार्ज हो जाएगी डिवाइस

सियोल, एजेंसी। वह दिन दूर नहीं जाएगी जो चार्ज करने के लिए। इलेक्ट्रिक सॉफ्टेन बताते हैं कि यह चंद्रमा को चार्ज करने की कोशिश में वैज्ञानिक जुट्ठे हैं। इस क्रम

में 2025 के जनवरी में आईएसॉस और

फायरलैट एप्स कंपनियों अपने लैंडर चांद पर भेज रही हैं। ये दोनों ही लैंडर स्पेस-एक्स के फलकन 9 गोरक्ष के जरिए भेजे जाएंगे।

आईएसॉस का हड्डु-आर लैंडर

और फायरफल्ट एप्स का ब्लू घोर्स लैंडर इस मिशन का हिस्सा है। आईएसॉस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ताकेशी हाकामाडा ने बताया कि कंपनी जल्द ही चंद्रमा पर उतरने का दूसरा व्यापारी कारोगी। यह मिशन छह दिनों की लॉन्च से होगी। यह मिशन का लैंडर चांद रोवर विडो के तहत जनवरी में शुरू होगा। यह मिशन ने बताते हुए समर्थन की अपील की है। यह मिशन ने बताते हुए समर्थन की अपील की है।

चंद्रमा पर भविष्य की गतिविधियों के लिए मार्ग भी तैयार करेगा।

गूगल लेकर आया एआई का नया मॉडल

गूगल ने तर्कशिक्षित से लेस नया एआई मॉडल जेमिनी 2.0 पेश किया है। यह एआई मॉडल तर्क और कोडिंग को समझ सकता है, साथ ही गलत प्रोग्रामिंग और भौतिक विज्ञान के कठिन सवालों को भी आसानी से हल कर सकता है। जेमिनी 2.0 खुद सोचता है और इसे दिए गए लिखित निर्देशों को कुछ ही समय विस्तार से हल कर देता है।

जेब में रखने भर से फुल चार्ज हो जाएगी डिवाइस

सियोल, एजेंसी। वह दिन दूर नहीं जाएगी जो चार्ज करने के लिए। इलेक्ट्रिक सॉफ्टेन बताते हैं कि यह चंद्रमा को चार्ज करने की कोशिश में वैज्ञानिक जुट्ठे हैं। इस क्रम

में 2025 के जनवरी में आईएसॉस और

फायरलैट एप्स कंपनियों अपने लैंडर चांद पर भेज रही हैं। ये दोनों ही लैंडर स्पेस-एक्स के फलकन 9 गोरक्ष के जरिए भेजे जाएंगे।

आईएसॉस का हड्डु-आर लैंडर

और फायरफल्ट एप्स का ब्लू घोर्स लैंडर इस मिशन का हिस्सा है। आईएसॉस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ताकेशी हाकामाडा ने बताया कि कंपनी जल्द ही चंद्रमा पर उतरने का दूसरा व्यापारी कारोगी। यह मिशन छह दिनों की लॉन्च से होगी। यह मिशन का लैंडर चांद रोवर विडो के तहत जनवरी में शुरू होगा। यह मिशन ने बताते हुए समर्थन की अपील की है। यह मिशन ने बताते हुए समर्थन की अपील की है।

चंद्रमा पर भविष्य की गतिविधियों के लिए मार्ग भी तैयार करेगा।

गूगल लेकर आया एआई का नया मॉडल

गूगल ने तर्कशिक्षित से लेस नया एआई मॉडल जेमिनी 2.0 पेश किया है। यह एआई मॉडल तर्क और कोडिंग को समझ सकता है, साथ ही गलत प्रोग्रामिंग और भौतिक विज्ञान के कठिन सवालों को भी आसानी से हल कर सकता है। जेमिनी 2.0 खुद सोचता है और इसे दिए गए लिखित निर्देशों को कुछ ही समय विस्तार से हल कर देता है।

जेब में रखने भर से फुल चार्ज हो जाएगी डिवाइस

सियोल, एजेंसी। वह दिन दूर नहीं जाएगी जो चार्ज करने के लिए। इलेक्ट्रिक सॉफ्टेन बताते हैं कि यह चंद्रमा को चार्ज करने की कोशिश में वैज्ञानिक जुट्ठे हैं। इस क्रम

में 2025 के जनवरी में आईएसॉस और

फायरलैट एप्स कंपनियों अपने लैंडर चांद पर भेज रही हैं। ये दोनों ही लैंडर स्पेस-एक्स के फलकन 9 गोर